हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम.एच.डी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2009

01314

एम.एच.डी.-2 : आधुनिक हिन्दी कविता

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।*

1. निम्नलिखित में से किन्हीं ***तीन*** काव्यांशों की व्याख्या कीजिए : **3x12=36**

(a) दो वंशों में प्रकट करके पावनी लोक - लीला,
सौ पुत्रों से अधिक जिनकी पुत्रियाँ पूतशीला,
त्यागी भी हैं शरण जिनके, जो अनासक्त गेही,
राजा - योगी जय जनक वे पुण्यदेही, विदेही।

विफल जीवन व्यर्थ बहा, बहा
सरस दो पद भी न हुए हहा !
कठिन है कविते, तुम भूमि ही,
पर यहाँ श्रम भी सुख-सा रहा।

करुणे, क्यों रोती है? 'उत्तर' में और अधिक तू रोई -
'मेरी विभूति है जो, उसको 'भव-भूति' क्यों कहे कोई !'

(b) प्रथम रश्मि का आना रंगिणि !
तूने कैसे पहचाना?
कहाँ, कहाँ हे बाल विहंगिनी !
पाया तूने यह गाना?

सोई थी तू स्वप्न - नीड़ में
पंखों के सुख में छिपकर,
ऊँघ रहे थे, घूम द्वार पर
प्रहरी से जुगनू नाना:

शशि-किरणों से उतर-उतरकर,
भू पर कामरुप नभचर
चूम नवल कलियों को मृदु मुख
सिखा रहे थे मुसकाना;

(c) ज़िंदगी के .....
कमरों में अँधेरे
लगाता है चक्कर
कोई एक लगातार;

आवाज़ पैरों की देती है सुनायी
बार-बार... बार-बार,
वह नहीं दीखता... नहीं ही दीखता,
किन्तु वह रहा घूम

तिलिस्मी खोह में गिरफ्तार कोई एक;
भीत-पार आती हुई पास से,
गहन रहस्यमय अन्धकार-ध्वनि-सा
अस्तित्व जनाता
अनिवार कोई एक,

और, मेरे हृदय की धक-धक
पूछती है-वह कौन
सुनायी जो देता, पर नहीं देता दिखायी !

(d) सुरक्षा अधिकारी सेनाधिपति के
घूर कर देखते हैं मेरा चेहरा
बहुत दिनों से उन्होंने नही देखा है मेरा चेहरा
धीरे-धीरे कम होती गयी है मेरी और सेनाधिपति की
बातचीत
इसलिए मैं सिपाहियों की निगाह में अजनबी हो गया हूँ

ये सिपाही भी कोई दूसरे हैं
पहले जो थे कुछ अदब करते थे
मेरा भी और उनका भी
अब जो हैं इतने उजड्ड हैं कि मैं
सेनाधिपति के लिए चिंतित हूँ

(e) एक आदमी
रोटी बेलता है
एक आदमी रोटी खाता है
एक तीसरा आदमी भी है
जो न रोटी बेलता है, न रोटी खाता है।
वह सिर्फ़ रोटी से खेलता है
मैं पूछता हूँ –
'यह तीसरा आदमी कौन है?'
मेरे देश की संसद मौन है।

2. मैथिलीशरण गुप्त के काव्य के मूल स्वरों का विवेचन कीजिए। 16

अथवा

सूर्यकांत त्रिपाठी निराला के काव्य के वैचारिक आधारों को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

3. स्वच्छंदतावादी कवि के रूप में सुमित्रानंदन पंत का महत्व स्थापित कीजिए। 16

अथवा

मुक्तिबोध की कविता में अभिव्यक्त जीवन दर्शन और काव्य दृष्टि की विवेचना कीजिए।

4. अज्ञेय के काव्य में मौजूद आधुनिक भाव-बोध को रेखांकित कीजिए। 16

अथवा

श्रीकांत वर्मा के काव्य में अभिव्यक्त राजनीतिक दृष्टि का विश्लेषण कीजिए।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए : 2x8=16

(a) प्रगतिवाद

(b) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

(c) 'अंधेरे में'

(d) दिनकर की राष्ट्रीय चेतना

- o O o -